



न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ज्वालियर केम्प - भोपाल

रेक्ट्रॉड ५१०-८८८-१५

प्रकरण क्रमांक

राजेश्वर कुमार वर्मा आत्मज स्वर्गीय

श्री हरप्रसाद वर्मा आयु- लगभग 47 वर्ष

निवासी-ग्राम- डिरमटा तहो सोहागपुर

जिला- होशंगाबाद .

आवेदक

क्रिल्ल ---

श्री ओ. पी. डुवे

अस्त्रमाला के द्वारा

आज दिनांक १२-२-१५

को भोपाल केम्प पुनः किलोकन अन्तर्गत धारा-५। म०प्र० झू राजस्व संहिता - १९५९-

पर इस्तुति

महोदय,

मध्य प्रदेश जास्तन

आवेदक

12-2-15

आवेदक द्वारा निगरानी प्रकरण क्रमांक आर/३१९।/पी.बी.आर./

2014 में पारित आदेश दिनांक 24/12/2014 से दुखित एवं असंतुष्ट द्वाकर

यह पुनः किलोकन माननीय न्यायालय के समृद्ध प्रस्तुत है।

13-2-15

[Signature]

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, रवालियर

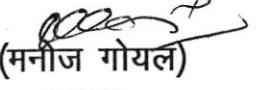
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक रिव्यू 510—पीबीआर/14

जिला होशंगाबाद

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
30-6-2015	<p>आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। इस न्यायालय के आदेश दिनांक 24-12-2014 का अवलोकन किया गया। म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 सहपठित व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 की धारा 114 तथा आदेश 47 नियम 1 में पुनर्विलोकन हेतु निम्नलिखित आधारों का उल्लेख किया गया है :—</p> <p>1 किसी नई और महत्वपूर्ण बात या साक्ष्य का पता चलना जो सम्यक् तत्परता के पश्चात भी उस समय जब आदेश किया गया था, उस पक्षकार के ज्ञान में नहीं थी अथवा उसके द्वारा पेश नहीं की जा सकती थी, या</p> <p>2 मामले के अभिलेख से ही प्रकट कोई भूल या गलती, या</p> <p>3 कोई अन्य पर्याप्त कारण</p> <p>2 आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा तर्कों में ऐसी कोई साक्ष्य या बात नहीं बताई गई है, जो आदेश पारित करते समय प्रस्तुत नहीं कर सकते थे। उनके द्वारा अभिलेख से परिलक्षित त्रुटि भी नहीं बतलाई गई है। केवल इस न्यायालय द्वारा निकाले गये निष्कर्षों में</p>	

त्रुटि बतलाने का प्रयास किया गया है, जो पुनर्विलोकन का आधार नहीं हो सकता है। अतः यह पुनर्विलोकन प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य किया जाता है।


(मनोज गोयल)
अध्यक्ष

